www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 197 | जौनपुर गुरूवार, 05 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नितिन नवीन का एलान- भाजपा के सत्ता में आने पर इस्लामपुर का नाम ईश्वरपुर किया जाएगा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने के बाद इस्लामपुर का नाम बदलकर ईश्वरपुर कर दिया जाएगा। नवीन इस्लामपुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा बांग्लादेशियों को युवाओं–माताओं के अधिकार छीनने की इजाजत नहीं देगी। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि घुसपैठियों की वजह से राज्य के स्थानीय लोगों के हक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी देश के नागरिकों की सुरक्षा नहीं करना चाहतीं। नवीन ने दावा किया कि अगर चुनाव आयोग 50 लाख बांग्लादेशियों के नाम मतदाता सूची से नहीं हटाता, तो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ घुसपैठियों को मिलता। उन्होंने कहा कि यह राज्य के वास्तविक लाभार्थियों के साथ अन्याय होता। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने जिन लोगों के नामों की पहचान की है और जिन्हें हटाया गया है, उन्हें देश से बाहर किया जाएगा। यह प्रक्रिया पूरी तरह के कानून के तहत की जाएगी। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि घुसपैठियों को बचाने की कोशिश में ममता बनर्जी ने काली पोशाक पहनकर सुप्रीम कोर्ट में दलील दी और अब उनके समर्थन में धरना देने की बात कर रही हैं।

केरल में 'मंजल कुली', जहां हल्दी के पानी से खेली जाती है होली

केरल, (एजेंसी)। 4 मार्च को देशभर में होली का त्योहार पूरी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा, और इसके लिए बाजार भी पूरी तरह से तैयार है। रंगों और पिचकारी से बाजार पट चुके हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत के एक हिस्से में होली रंगों के साथ नहीं, बल्कि हल्दी के पवित्र रंग के साथ मनाई जाती है? हम बात कर रहे हैं केरल की, जहां होली मनाने का तरीका पारंपरिक और आध्यात्मिक दृष्टि से काफी अलग है। केरल में होली नहीं, बल्कि मंजल कुली मनाया जाता है, जो पूर्णिमा से शुरू होकर आने वाले 4 दिनों तक चलता है। खास बात यह है कि केरल में होली खेलने के लिए रंगों का इस्तेमाल नहीं होता, बल्कि हल्दी के पानी का इस्तेमाल होता है। मंजल कुली विशेष रूप से केरल के गोश्रीपुरम तिरुमाला मंदिर में मनाया जाता है। यह मंदिर गौड़ा सारस्वत ब्राह्मण नाम के समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है जो मंजल कुली के जरिए जीवन की नकारात्मकता को दूर करते हैं। मंजल कुली चार दिन तक चलता है।

भारत की युवा शक्ति का दृढ़ संकल्प अतुलनीय : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं की शक्ति की प्रशंसा करते हुए एक संदेश में आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति के महत्व को रेखांकित किया है। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश अपने सपनों को साकार कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की युवा शक्ति का दृढ़ संकल्प अतुलनीय है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "भारतवर्ष की युवाशक्ति का दृढ़ संकल्प अतुलनीय है। हमारे युवा साथी जो ठान लेते हैं, वो करके दिखाते हैं। यही वजह है कि आज हमारा देश अपने सपनों को साकार कर रहा है।" पीएम मोदी ने एक संस्कृत सुभाषित भी किया शेयर उन्होंने एक 'संस्कृत सुभाषितम्' भी शेयर किया है। पीएम मोदी ने लिखा, "न वा उ मां वृजने वारयन्ते न पर्वतासो यदहं मनस्ये। मम स्वनात् कृधुकर्णो भयात एवेदनु द्यून्किरणः समेजात 'संस्कृत सुभाषितम्' कहा गया है, "आपके आत्मविश्वास की शक्ति गहन है। कोई भी आपके आत्मनिर्णय को कुचल नहीं सकता। बड़े पहाड़ के आकार की बड़ी बाधाएं भी आपके मार्ग में बाधा नहीं डाल सकतीं। आप सूर्य से अधिक शक्तिशाली हैं बशर्ते आपके पास इच्छा–शक्ति हो।" बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिसंबर 2025 से भारतीय परंपरा के कालजयी ज्ञान को आधुनिक नीति और जन–संवाद से जोड़ने के लिए समय–समय पर संस्कृत सुभाषित (प्रेरणादायक श्लोक) शेयर करना शुरू किया है। वे अक्सर अपने भाषणों, 'मन की बात' और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से संस्कृत सुभाषित शेयर करते हैं। संस्कृत सुभाषितों को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करके प्रधानमंत्री मोदी समकालीन शासन को भारत की सभ्यतागत ज्ञान से सचेत रूप से जोड़ रहे हैं और प्राचीन श्लोकों का उपयोग विकास, स्थिरता, लैंगिक न्याय, नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व जैसी आधुनिक प्राथमिकताओं को समझाने के लिए कर रहे हैं।

सीएम मोहन के हस्तक्षेप के बाद ऐसे टला मध्य प्रदेश में परिवहन संकट

मुबई, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के हर ग्रामीण अंचल तक यात्रियों को सुगम आवागमन की सुविधा मिले, इसलिए हम हर जरूरी कदम उठा रहे हैं. इस लक्ष्य के लिए हम कटिबद्ध हैं. सबके हितों की रक्षा हो और लोक परिवहन सेवा भी निर्बाध रूप से चलती रहे, यही हमारा ध्येय है. मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यात्रियों को विशेषकर ग्रामीण अंचल के लोगों को सुगम परिवहन की सेवा देना चाहते हैं, पर इस उद्देश्य की पूर्ति में किसी का नुकसान भी नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधियों (बस ट्रांसपोटर्स) से चर्चा कर रहे थे. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बस ऑपरेटर्स की सभी शंकाओंध्कठिनाई का मिल–बैठकर हल निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑनर्स के पदाधिकारी, परिवहन मंत्री से मिलकर अपनी सभी शंकाओं/कठिनाईयों/समस्याओं का समाधान कराएंगे. इसके लिए वे परिवहन मंत्री को भी निर्देशित कर रहे हैं. दोनों पक्षों की चर्चा और समाधान के बाद ही आगे की कार्यवाही की जाएगी. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासन द्वारा जारी की गई एक सूचना एवं एक अधिसूचना को होल्ड करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सकारात्मक बातचीत, अपनी मांगों के संबंध में विस्तृत चर्चा एवं उपर्युक्त सूचना/अधिसूचना को होल्ड करने का आश्वासन मिलने के बाद मध्यप्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन (बस ट्रांसपोटर्स) के पदाधिकारियों ने आगामी 2 मार्च 2026 से प्रारंभ होने वाली बस हड़ताल वापस ले लेने की घोषणा की है।

अमित शाह ने परिवर्तन यात्रा को दी गति, बंगाल में बदलाव का दावा

बंगाल, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्य में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' का शुभारंभ करेंगे। वह दक्षिण 24 परगना के मथुरापुर में यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे और उसके बाद एक जनसभा को संबोधित करेंगे। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि टीएमसी के कुशासन से परेशान बंगाल की जनता अब बदलाव चाहती है।

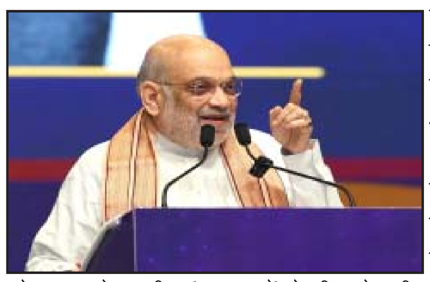

उन्होंने कहा कि इस जनसंकल्प को और मजबूत करने के लिए पश्चिम बंगाल भाजपा ने 'परिवर्तन यात्रा' शुरू की है। शाह के अनुसार, इस यात्रा के जरिए कार्यकर्ता प्रदेश के कोने–कोने तक 'घुसपैठिया–मुक्त बंगाल' का संदेश पहुंचाएंगे। नौ स्थानों से प्रस्तावित इस यात्रा की शुरुआत रविवार को चार जगहों से हो चुकी है। बड़ी जनसभाओं के साथ करीब 5,000 किलोमीटर लंबी यह यात्रा राज्य के अलग–अलग हिस्सों से होकर गुजरेगी। सोमवार को बाकी पांच स्थानों से भी इसे हरी झंडी दिखाई जाएगी। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हावड़ा के आमता में जनसभा के बाद यात्रा की शुरुआत करेंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बर्दमान के हासन क्षेत्र में कार्यक्रम में शामिल होंगे, जहां अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उत्तर 24 परगना के संदेशखाली से यात्रा को रवाना करेंगे।

हरिद्वार में भव्य कुंभ मेले की तैयारी, केंद्र सरकार ने मंजूर किए 500 करोड़ रुपए

उत्तराखंड, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में भव्य रूप से कुंभ मेला हरिद्वार में आयोजित किया जाएगा। सीएम धामी सोमवार को देहरादून स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ होली पर्व को मनाया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के साथ देशवासियों को होली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में तेजी से विकास कर रहा है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि कुंभ मेला बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत सरकार ने तैयारी के लिए 500 करोड़ रुपए की राशि मंजूरी दी है। राज्य प्रशासन, हमारा मेला प्रशासन, और जिला अधिकारी सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 7 मार्च को उत्तराखंड की भूमि पर पधार रहे हैं। मुझे पूर्ण उम्मीद है कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में अच्छा मेला आयोजित होगा।दौरे को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध, सुव्यवस्थित एवं गरिमापूर्ण ढंग से सुनिश्चित की जाएं। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद रखने, यातायात एवं पार्किंग प्रबंधन को व्यवस्थित करने तथा कार्यक्रम स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था करने समेत किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरतने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। धामी ने कहा कि मैं सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। होली एक ऐसा त्योहार है जो लोगों को जोड़ता है और एक–दूसरे के बीच प्यार और रिश्ते को मजबूत करता है। होली के इस शुभ अवसर पर हम राज्य के विकास के लिए पूरे समर्पण के साथ काम करने का संकल्प लेते हैं। एक्स पोस्ट में धामी ने लिखा।

140 करोड़ लोग मिलकर उखाड़ फेंकेंगे तानाशाह सरकार : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर विशाल रैली कर देश को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि 140 करोड़ लोग मिलकर देश से तानाशाह सरकार उखाड़ फेंकेंगे. ये लोग सत्ता की राजनीति करें और हम जनता के लिए काम करेंगे. आज से यह बदलाव की गिनती शुरू हो गई है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी कहते रहे कि दिल्लीवालों का 'बेटा' भ्रष्ट और है, लेकिन कोर्ट ने साफ कर दिया कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार था, है और रहेगा. कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग आकर लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदी को पूर्ण बहुमत दिया. आज देश का हर सेक्टर बर्बाद है. इस दौरान दिल्ली, पंजाब, गुजरात, गोवा समेत विभिन्न प्रांतों से आए "आप" नेताओं, कार्यकर्ताओं और हजारों आम लोगों ने 'पढ़ा–लिखा दमदार है, मेरा केजरीवाल कट्टर ईमानदार है' के जमकर नारे लगाए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले चार साल से पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने षड़यंत्र रच कर दिल्ली के लोगों को बहुत परेशान और दुखी किया. उन्होंने कहा कि केजरीवाल चोर है, भ्रष्टाचारी है, केजरीवाल ने शराब घोटाला किया है, केजरीवाल 100 करोड़ खा गया. दिन भर मीडिया में डिबेट चलता था. दिल्ली के लोगों को बहुत दुखी किया। जज साहब ने फैसला सुनाया है कि मोदी झूठ बोल रहे हैं, केजरीवाल कट्टर ईमानदार है. पूरा केस फर्जी है, कोई सबूत नहीं है. उन्होंने कहा कि सदियों के बाद ऐसा फैसला आया है. मोदी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को ठिकाने लगाने के लिए पूरे केस को व्यक्तिगत मॉनिटर कर रहे थे कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन, संजय सिंह छूटना नहीं चाहिए. कोर्ट का यह फैसला मोदी, अमित शाह और भाजपा के गाल पर जोरदार तमाचा है.। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं. जब मैं आईआईटी में पढ़ता था, तो मेरे बहुत अच्छे नंबर आए. मैं चाहता तो नौकरी करने अमेरिका जा सकता था. मेरे बहुत सारे दोस्त विदेश गए हैं. लेकिन उस समय मेरे मन में ख्याल आया कि देश का बहुत बुरा हाल है. अगर बड़े–बड़े संस्थाओं से पढ़ कर सारे लोग विदेश चले जाएंगे तो अपने देश को कौन संभालेगा, कौन ठीक करेगा. मैं अमेरिका नहीं गया।

यशस्वी मिश्रा ने किया अयोध्या जिले के साथ–साथ अपने माता–पिता का नाम रौशन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शहर के सरयू विहार कॉलोनी जनपद अयोध्या में रहने वाली यशस्वी मिश्रा ने अपने माता–पिता समाजवाद जिले का नाम रोशन किया है। बताते चले उनका चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हरियाणा लोक सेवा आयोग से हुआ है। । यशस्वी मिश्रा के पिता बृजेंद्र मिश्रा एक शिक्षक हैं ,और उनकी माता कुशल ग्रहणी हैं।इन्होंने ने एमए भूगोल से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली से उत्तीर्ण किया है। इन्होंने वर्ष 2024 में जेआरएफ की परीक्षा भूगोल विषय में उत्तीर्ण की है । यशस्वी मिश्रा के चाचा जी शैलेंद्र कुमार मिश्र , स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा कैंट अयोध्या में शाखा प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं । यशस्वी मिश्रा ने अपनी सफलता के श्रेय अपने माता–पिता और कठिन परिश्रम को दिया है। यशस्वी मिश्रा ग्राम रनींवा की रहने वाली हैं। यशस्वी मिश्रा की इस अभूतपूर्व सफलता पर पूरे गांव वासियों के साथ–साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद्र, एसआरजी डाक्टर अंबिकेश त्रिपाठी सहित कई शिक्षा अधिकारियों शिक्षा कर्मियों के साथ–साथ शिक्षकों ने बधाई दिया।

तेजस्वी यादव गए राज्यसभा तो राघोपुर से पत्नी राजश्री लड़ेंगी चुनाव

बिहार, (एजेंसी)। सियासी गलियारे में चर्चा है कि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव राज्यसभा के उम्मीदवार हो सकते हैं. हालांकि ये बस कयास है लेकिन इस पर बयानबाजी शुरू हो गई है. इस बीच बीजेपी की ओर से एक चौंकाने वाला दावा किया गया है. बीजेपी नेता निखिल आनंद ने रविवार (01 मार्च, 2026) को

एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, तेजस्वी यादव वाकई राज्यसभा जा रहे हैं? अगर यह सच है तो वह निश्चित रूप से राघोपुर की खाली सीट से अपनी पत्नी रेचल गोडिन्हो उर्फ राजश्री यादव को चुनाव लड़वाना सुनिश्चित करेंग। निखिल आनंद ने कहा कि तेजस्वी कानूनी पचड़े में फंसने की स्थिति में अपनी पत्नी को आगे बढ़ाने का विकल्प बरकरार रखना चाहते हैं. परिवार और पार्टी में चल रहे टकराव को देखते हुए तेजस्वी कानूनी चुनौती की स्थिति में अपनी पत्नी के अलावा किसी भी दूसरे पर भरोसा नहीं करना चाहते हैं. यह बिल्कुल स्पष्ट है कि तेजस्वी ने खुद को परिवार से अलग कर लिया है और आगे अपने पिता की तरह पार्टी को व्यक्तिगत जागीर के रूप में चलाएंगे। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह भी है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद वह (तेजस्वी यादव) अब भी सदमे में हैं. तेजस्वी थोड़ा परेशान हो गए हैं, असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और साथ ही विपक्ष के नेता के रूप में बिहार विधानसभा में पार्टी का नेतृत्व करने का आत्मविश्वास भी खो चुके हैं।

पश्चिम एशिया तनाव पर सक्रिय भारत, पीएम मोदी ने यूएई नेतृत्व से की बात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से फोन पर बातचीत कर खाड़ी देश पर हुए हालिया हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने इस कठिन समय में यूएई के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त की और जनहानि पर शोक जताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति से बात कर हमलों की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत इस कठिन समय में यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है और क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा तथा स्थिरता का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री ने यूएई में रह रहे बड़े भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए वहां के नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर यूएई सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, जो दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाते हैं। भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच रणनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत हैं। व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और आतंकवाद–रोधी सहयोग के साथ–साथ प्रवासी भारतीयों की बड़ी संख्या दोनों देशों के बीच साझेदारी को और गहरा बनाती है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते भू–राजनीतिक हालात के मद्देनजर बुलाई गई थी। बैठक अमेरिकादृइजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों और उसके बाद बढ़े क्षेत्रीय तनाव के परिप्रेक्ष्य में चर्चा में हुई। रिपोर्टों में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मारे जाने का भी उल्लेख किया गया है, जिससे व्यापक संघर्ष की आशंका बढ़ गई है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी मौजूद रहे। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और पुडुचेरी के दो दिवसीय दौरे से लौटने के बाद रात करीब 9:30 बजे नई दिल्ली पहुंचे और इसके तुरंत बाद सीसीएस बैठक की अध्यक्षता की।

संपादकीय

ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसके मुताबिक इस तकनीक की राह में नियम–कायदे जैसी रुकावटें नहीं होनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र में इसी नजरिए को जगह मिली। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर हुए पहले तीन शिखर सम्मेलनों (लंदन, सियोल और परिस) में मुख्य जोर इस तकनीक से संबंधित सुरक्षा एवं इसका विनियमन पर था। मगर नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में ये चिंताएं हाशिये पर चली गईं। उसके बजाय नई दिल्ली घोषणापत्र में मुख्य ध्यान आर्थिक विकास और समावेशन पर दिया गया है। लगभग 900 शब्दों के इस दस्तावेज के केंद्रीय बिंदु एआई के लोकतांत्रिक सम्मिलन का चार्टर, एआई संसाधनों तक पहुंच को प्रोत्साहित करने का स्वैच्छिक एवं अबाध्यकारी फ्रेमवर्क, और स्थानीय प्रासंगिकता के मुताबिक आविष्कार आदि हैं। ये बातें इतनी सामान्य किस्म की हैं कि इन पर मतभेद की गुंजाइश नहीं थी। इसलिए सम्मेलन में शामिल हुए सभी 88 देशों ने सहजता से इस पर दस्तखत कर दिए। जबकि 2025 में हुए पेरिस सम्मेलन में चूंकि एआई के विनियमन पर जोर दिया गया, तो अमेरिका ने साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन एआई पर किसी प्रकार के लगाम के खिलाफ है। उसकी दलील है कि इस तकनीक की राह में नियम–कायदे जैसी रुकावटें नहीं आनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र को इसी नजरिए से तैयार किया गया। यानी यह ट्रंपकालीन एआई घोषणापत्र है। चीन भी एआई संप्रभुता की वकालत करता है, इसलिए ऐसे दस्तावेज पर उसे कोई आपत्ति नहीं होनी थी, जिसमें एआई विनियमन के बारे में राष्ट्रीय सरकारों के अधिकार को स्वीकार किया गया हो। चीन में एआई का उपयोग राजकीय नियोजन के तहत आम प्रशासन एवं जमीनी विकास के लिए हो रहा है। अमेरिका की तुलना में यह बिल्कुल अलग नजरिया है। चूंकि एआई के क्षेत्र में प्रमुख शक्तियां अमेरिका और चीन ही हैं, इसलिए वे अपने यहां इस तकनीक को कैसे विकसित कर रही हैं, वह इस समय वैश्विक चर्चा एवं ध्यान का प्रमुख बिंदु है। इस बीच एआई शिखर सम्मेलन उन दोनों सहित तमाम हितधारकों के बीच संवाद का मंच बने हैं। मगर वहां साझा घोषणापत्र अधिकतम सहमति पर ही आधारित हो सकते हैं। नई दिल्ली में यह सहमति बनी, क्योंकि विनियमन समर्थकों ने अपना रुख नरम क लिया और अमेरिकी मंशा के मुताबिक शब्दों के चयन पर सभी राजी हो गए।

चीन-रूस जैसे मित्र देशों ने छोड़ा साथ, मुस्लिम उम्माह के नाम पर भी नहीं बनी बात

अभिन

ईरान में अमेरिका और इजराइली हमलों ने बुरी तरह तबाही मचाई है। शनिवार यानी कि 28 फरवरी को हुए हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर समेत कई बड़े ऑफिशियल के मारे जाने की खबर सामने आ गई। ईरान ने भी जवाबी हमले किए हैं। लेकिन ईरान के सुप्रीम लीडर का मारे जाना ईरान के लिए एक ऐसी क्षति समझी जा सकती है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती है। ईरान पर यह हमला पिछले हमले की तरह ही धोखा देकर किया गया है। ईरान को अमेरिका ने बातचीत में उलझाया और अचानक इजराइल के साथ मिलकर हमला कर दिया। अब सवाल आता है कि क्या ईरान के दोस्त देशों ने भी उसका साथ छोड़ दिया और उसे अकेले ही अमेरिका ईरान से लड़ना पड़ेगा? ईरान के कई सारे दुश्मन हैं। लेकिन आखिरकार ईरान का दोस्त कौन है? इजराइल और अमेरिका के युद्ध में आखिरकार किस देश ने ईरान का साथ दिया? बता दें अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से ईरान दुनिया से अलग–थलग ही रहा है। लेकिन उसके टॉप दोस्तों में रूस चीन को गिना जाता है। हालांकि सुप्रीम लीडर पर होने वाले हमले के लिए आगाह या बचाव यह दो देश भी नहीं कर पाए। हालिया तनाव के बाद से ईरान काफी कमजोर हुआ। ईरान के सहयोगी दो तरह के हैं। पहले क्षेत्र के कुछ मिलिशिया जैसे हिजबुल्ला, हूती, मिलिशिया, इराक आदि। वहीं वहीं देशों में चीन और रूस को ईरान का सहयोगी माना जाता है। साथ ही नॉर्थ कोरिया और वेनेजुएला भी ईरान के मित्र देशों की सूची में आते हैं। रूस और चीन की बात करें तो दोनों सहयोगी ने ईरान को अभी तक कोई सीधी सैन्य मदद नहीं दी है। दोनों देशों ने केवल कूटनीतिक स्तर पर ईरान का समर्थन किया है। जैसे कि हमलों की निंदा करना, तत्काल युद्ध विराम की मांग करना और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चर्चा शुरू करवाना। हमले से पहले जीसीसी मेंबर देशों ने साफ कहा था कि वह अपना एयर स्पेस ईरान पर हमला करने के लिए नहीं होने देंगे। लेकिन शनिवार को देखा गया कि अमेरिका और इजराइल ने अरेबियन सी के साथ–साथ जॉर्डन, इराक और सीरिया जैसे देशों का एयर स्पेस इस्तेमाल कर हमले किए हैं। वहीं सऊदी अरब, बहरीन और कतर बेस पर भी अमेरिकी जहाजों की इक्विटी नोट की गई। इसके अलावा ओमान ने तनाव का कूटनीतिक समाधान करने की कोशिश की तो पर सफल नहीं हो पाया। मध्य पूर्व में ईरान का सऊदी अरब और यूएई से भी हाइड्रोलॉजिकल तौर पर तनाव रहा है। पाकिस्तान और ईरान की साझा 904 किलोमीटर की सीमा वाला क्षेत्र मादक पदार्थों की तस्करी और उग्रवाद का केंद्र है। यह बलूचिस्तान क्षेत्र है, जो दोनों देशों में फैला हुआ है और सांप्रदायिक मतभेदों और बलूची अलगाववादी गतिविधियों ने स्थिति को बदतर बना दिया है। अमेरिका और ईरान द्वारा नामित सुन्नी आतंकवादी समूह जैश अल–अदल का दक्षिणपूर्वी ईरान में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने का एक लंबा इतिहास है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) के अनुसार, आतंकवादी समूह 2013 से ईरान में नागरिकों और सरकारी अधिकारियों पर घात लगाकर हमला, हत्या, हमले, हिट–एंड–रन छापे, अपहरण में शामिल रहा है। अक्टूबर 2013 में समूह ने 14 ईरानी सीमा रक्षकों की हत्या कर दी। 2019 में इसने ईरान के अर्धसैनिक समूह, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स पर आत्मघाती हमला किया, जिसमें 27 कर्मी मारे गए। उसी वर्ष उसने 14 ईरानी सुरक्षाकर्मियों का भी अपहरण कर लिया। यह कहने की जरूरत नहीं है कि दोनों देशों के बीच सुन्नी–शिया सांप्रदायिक विभाजन कड़वे रिश्ते के केंद्र में है। वर्तमान में पाकिस्तान के लिए ईरान के प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब के साथ अच्छे संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि रियाद इस्लामाबाद का एक प्रमुख वित्तीय दाता है। पाकिस्तान अमेरिका के साथ भी अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश करता है, जिसमें उसे कभी सफलता मिलती है तो कभी नहीं। फिलहाल, पाकिस्तान को डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाली वाशिंगटन डीसी सरकार से दुर्लभ समर्थन मिल रहा है, और ईरान

के प्रति किसी भी तरह का मुखर समर्थन करके वह इसे खतरे में नहीं डाल सकता। ईरान के सबसे मित्रवत पड़ोसी उत्तर में स्थित हैं, आर्मेनिया और तुर्कमेनिस्तान। अजरबैजान में शिया आबादी काफी अधिक है, लेकिन ईरान में सत्ता में मौजूद शिया मौलवियों के अजरबैजान के साथ संबंध अच्छे नहीं हैं। अजरबैजान और आर्मेनिया नागोर्नो–काराबाख को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं, जो अजरबैजान का हिस्सा है लेकिन वहां जातीय अर्मेनियाई लोग रहते हैं। ईरान ने इस संघर्ष में हारने वाले पक्ष, आर्मेनिया का समर्थन किया है। तेहरान को यह भी संदेह है कि अजरबैजान अपनी सीमाओं के भीतर अजेरी विद्रोह को भड़का रहा है और इजराइल को ईरान पर जासूसी करने के लिए अपने क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति दे रहा है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच हेलमंद नदी के जल पर ईरान के अधिकार को लेकर लंबे समय से टकराव रहा है। सत्ता और शासन बदलता रहा, लेकिन विवाद ज्यों का त्यों चलता रहा। पहले तालिबान शासन के साथ तेहरान के संबंध तनावपूर्ण थे। 1998 में तो सुन्नी कट्टरपंथी तालिबान ने अफगानिस्तान के मजार–ए–शरीफ शहर में 10 ईरानी राजनयिकों और एक पत्रकार की हत्या कर दी थी। हालांकि, ईरान ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी का स्वागत किया था। लेकिन इसमें भी उसका खुद का स्वार्थ छिपा था क्योंकि एकदम नाक के नीचे बैठे अमेरिकी सैनिक उसके लिए रोजाना का खतरा थे। फिलहाल, तालिबान 2.0 और तेहरान सावधानीपूर्वक अपने संबंधों को आगे बढ़ा रहे हैं। एक बार फिर, यह बेहद जटिल है। कभी महान रहे ओटोमन और फारसी साम्राज्य प्रतिद्वंद्वी थे, लेकिन वर्तमान ईरान और तुर्की यह मानते हैं कि किसी के पास दूसरे पर कोई महत्वपूर्ण सैन्य बढ़त नहीं है, और वे काफी हद तक व्यावहारिक रूप से शांतिपूर्ण बने रहे हैं। हालांकि, क्षेत्र में परोक्ष शक्तियों के निरंतर संघर्ष में, अंकारा और तेहरान खुद को विरोधी पक्षों में पाते हैं। उदाहरण के लिए, सीरिया में, ईरान ने बशर अल–असद शासन का समर्थन किया और तुर्की ने विद्रोहियों का। तुर्की अजरबैजान का सहयोगी भी है। रेसेप तैयप एर्दोगन के नेतृत्व में तुर्की इजरायल की बढ़ती ताकत और सामर्थ्य से घृणा करता है, लेकिन ईरान द्वारा परमाणु बम बनाने में असमर्थ होने से काफी हद तक खुश है। इसे जटिल कहना भी कम होगा। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद मौजूदा शासन सत्ता में आया और इसके लगभग एक साल बाद ही इराक ने उस पर आक्रमण कर दिया। इस विनाशकारी युद्ध में लाखों लोग मारे गए।

किसान यूनियन भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ेंगे

जग मोहन

नेता और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने कहा, श्अमेरिका के साथ तथाकथित समझौता असल में देश के हितों, उसकी सम्प्रभुता, जरूरी कृषि क्षेत्र और कई तरह के औद्योगिक सामान को खुलेआम बेचना है। भारत आयात टैरिफ को शून्य कर देगा, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों के अमेरिका को निर्यात पर 18प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। भारतीय किसान यूनियन भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए कमर कस रहे हैं। मुख्य किसान यूनियनों ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले बैठक की और भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ पूरे भारत में एक साथ लगातार संघर्ष की योजना बनाई, जिसमें दूसरे जरूरी मुद्दे भी शामिल थे। एसकेएम नेता और ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंदरजीत सिंह ने कहा, श्अमेरिका के साथ तथाकथित समझौता असल में देश के हितों, उसकी सम्प्रभुता, जरूरी कृषि क्षेत्र और कई तरह के औद्योगिक सामान को खुलेआम बेचना है। भारत आयात टैरिफ को शून्य कर देगा, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों के अमेरिका को निर्यात पर 18प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ट्रंप के टैरिफ को गैर–संवैधानिक ठहराए जाने के बाद भी, भारत ने एकतरफा फ्री ट्रेड घोषणा के खिलाफ अपनी बात नहीं रखी है। अब भारत को इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करना चाहिए और इसके बजाय वैश्विक दक्षिण के दूसरे विकासशील देशों और ब्रिक्स, शंघाई कोऑपरेशन आदि जैसे गुटों के साथ मिलकर विकसित देशों के साथ बातचीत करनी चाहिए, जैसा कि पिछले हफ्ते नई दिल्ली में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने सही सुझाव दिया था। 24 फरवरी को कुरुक्षेत्र में हुई एसकेएम की बैठक में इस समझौते के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों के बारे में बताते हुए, डॉ. इंद्रजीत ने बताया, श्एसकेएम की राष्ट्रीय परिषद बैठक में यह तय किया गया है कि जब तक सभी बड़ी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, जैसे भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करना, बिजली विधेयक, बीज विधेयक, चारों श्रम संहिताएं, जी राम जी अधिनियम,सी250प्रतिशत की दर पर एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी, कर्ज माफी और एलएआरआर अधिनियम 2013 को लागू करने की मुख्य मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक मजदूरों के साथ मिलकर स्वतंत्र संघर्षों के साथ एकजुट संघर्षों को तेज किया जाएगा। एसकेएम केन्द्रीय श्रम संगठनों के प्लेटफॉर्म और खेती–बाड़ी करने वाले मजदूर यूनियनों के साथ समन्वय बैठक करेगा और एकजुट संघर्षों की आखिरी योजना तय करेगी। इस बैठक में एसकेएम ने तय किया कि किसानों का संगठन 9 मार्च तक जनसभाओं के जरिए गांवों तक संघर्ष को ले जाएगा, जिसमें भारत के राष्ट्रपति से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को हटाने, प्रधानमंत्री को देश विरोधी भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर न करने का निर्देश देने और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को गेहूं और धान उपजाने वाले किसानों को बोनस खत्म करने का अर्ध–सरकारी पत्र वापस लेने का निर्देश देने की मांग की जाएगी। किसान भारत के राष्ट्रपति को ऐसे खुले खत भेजने के लिए पोस्ट ऑफिस तक जुलूस निकालेंगे। बैठक में उन गांवों में अभियान चलाने का फैसला किया गया जहां सेब, सोयाबीन, कपास, मक्का वगैरह जैसी प्रभावित हुई फसलें उगाई जाती हैं।एसकेएम के प्रतिनिधिमंडल अपने–अपने राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विपक्ष के नेताओं से मिलेंगे और मांग करेंगे कि वे मोदी सरकार द्वारा बिजली के केन्द्रीकरण का विरोध करें और राज्यों के गणराज्यीय अधिकारों की रक्षा करें, संसद से राज्यों की कर लगाने की शक्ति को वापस लाने के लिए जीएसटी कानून में बदलाव करने की अपील करें, सेस और सरचार्ज सहित विभाज्य पूल में मौजूदा 33प्रतिशत के बजाय राज्यों को 60प्रतिशत हिस्सा दें। बैठक में श्रम संगठनों और खेती–बाड़ी के मजदूरों के प्लेटफॉर्म के साथ संसद के अगले सत्र के पहले दिन 9 मार्च को जंतर–मंतर पर एक मजदूर–किसान संसद आयोजित करने का फैसला किया गया।एसकेएम की बैठक में पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, महाराष्ट्र और केरल समेत 9 राज्यों के 150 लोग शामिल हुए। बैठक में सभी राज्य के समन्वय समितियों से कहा गया कि वे 10 मार्च को बरनाला, पंजाब से शुरू होकर 13 अप्रैल जलियांवाला बाग दिवस तक पूरे भारत में महापंचायतें करें। इन महापंचायतों में हजारों किसान इकट्ठा होंगे और भारत–अमेरिका व्यापार समझौता और मोदी सरकार की दूसरी कॉर्पोरेट–समर्थक नीतियों के खतरों के बारे में बताएंगे और भविष्य में लंबे संघर्ष की तैयारी करेंगे। एसकेएम के एक बयान में बताया गया है कि 23 मार्च शहीद दिवस को पूरे भारत में औपनिवेशिक विरोधी दिवस के तौर पर मनाया जाएगा, जिसकी विस्तृत योजना राज्य स्तर पर बनाई जाएगी। बैठक में पंजाब, ओडिशा और महाराष्ट्र में किसानों के आंदोलनों पर पुलिस के जुल्म की निंदा करने का एक प्रस्ताव भी पास किया गया। सात सदस्यों वाले अध्यक्ष मंडल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जोगिंदर सिंह उगराहां, राकेश टिकैत, डॉ. अशोक धावले, आशीष मित्तल, जगमोहन सिंह, राजन क्षीरसागर और जोगिंदर सिंह नैन शामिल थे। इस बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा नॉन–पॉलिटिकल (इंडिया) के भेजे गए पत्र पर चर्चा की गई और उनसे बातचीत करने के लिए जोगिंदर सिंह उगराहां, युद्धवीर सिंह, पी कृष्णप्रसाद, रमिंदर सिंह पटियाला और बलदेव सिंह निहालगढ़ की पांच सदस्यों वाली कमेटी बनाने का फैसला किया गया। यह भी तय किया गया कि एमएसपी और उससे जुड़े मुद्दों पर किसानों की मांगों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बनाई गई कमेटी से मिलने के लिए 15 सदस्यों वाली कमेटी बनाई जाएगी। एसकेएम के दिशानिर्देश के मुताबिक, ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) की हरियाणा राज्य कमेटी ने राष्ट्रीय परिषद द्वारा दिए गए संघर्षों के आह्वान का समर्थन किया है। संयुक्त किसान मोर्चा की मंगलवार को कुरुक्षेत्र में बैठक हुई। मास्टर बलबीर सिंह की अध्यक्षता में, 26 फरवरी को हुई राज्य स्तरीय बैठक में सभी पदाधिकारी और जिले के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने बताया कि अमेरिका के साथ एकतरफा और किसान विरोधी व्यापार समझौता कैसे पहले से ही मुश्किल में फंसे किसानों के लिए नुकसानदायक है, क्योंकि अमेरिका ने इस असमान समझौते के तहत भारत के बड़े बाजार को भर दिया है। जिन दूसरे मुद्दों की सबसे ज्यादा आलोचना हुई, उनमें बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का सही मुआवजा न देने के मामले में हरियाणा सरकार का धोखेबाज रवैया, प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों के भ्रष्टाचार के घोटालों को बचाना और धान खरीद के घोटालों में कोई कार्रवाई न करना शामिल है।

ट्रंप और राहुल का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण एक जैसा

बलबीर पुंज

राहुल कांग्रेस की उस व्यवस्था से आते हैं, जिसमें भारतीय परंपरा–स्वाभिमान उत्सव का नहीं, बल्कि तथाकथित पिछड़ेपन, उत्पीड़न और महिला–विरोध का प्रतीक माना जाता है। दशकों तक भारतीय संस्कृति के प्रति हीन–भावना रखने वालों को मतदाता लगातार खारिज कर रहे है। समय कई बार ऐसी चौंकाने वाली समानताएं हमारे सामने रख देता है, जो राजनीति–जीवन को नए तरीके से समझने का अवसर देती हैं। आज की उथल–पुथल भरी वैश्विक राजनीति में दो ऐसे व्यक्तित्वकृ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और देश के नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधीकृ दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में सक्रिय होने के बावजूद दोनों का बदलते भारत को देखने का दृष्टिकोण लगभग एक जैसा हैं। यह इसलिए भी ज्यादा हैरान करने वाला है, क्योंकि ट्रंप विदेशी है और राहुल भारत के शीर्ष नेताओं में एक। दोनों ही उस नए भारत से असहज हैं, जो अपनी जड़ों से जुड़कर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए बिना किसी हीनभावना के दुनिया से अपनी शर्तों पर आत्मविश्वास के साथ संवाद कर रहा है। एक ओर ट्रंप के रूप में वह दृष्टिकोण है, जो केवल लेन–देन पर आधारित है और वैश्विक व्यवस्था में अपनी धमक बरकरार रखने के लिए प्रयासरत है। वहीं राहुल एक ऐसे राजनीतिक वंश का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने स्वतंत्र भारत की सत्ता को अपनी विरासत मानकर पश्चिमी स्वीकृति को ही कूटनीतिक सफलता का पर्याय समझा है। ट्रंप द्वारा भारत को मृत अर्थव्यवस्था कहना कोई साधारण कूटनीतिक चूक नहीं थी। दरअसल, यह उस मानसिकता की झलक थी, जिसमें किसी राष्ट्र की ताकत को उसकी स्वतंत्र नीतियों से नहीं, बल्कि वह कितना शहां में हां मिलाता हैय्कृ उस पैमाने पर आंका जाता है। ट्रंप के सहयोगियों द्वारा भारत को रूस का लॉन्ड्रोमैट बताना और रूसी तेल खरीद के मुद्दे पर ब्राह्मण समाज को निशाना बनानाकृ महज आर्थिक टिप्पणियां नहीं थीं, बल्कि कुटिल औपनिवेशिक चिंतन की परछाई थी। लोकतंत्र में आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन यह चिंताजनक तब हो जाता है, जब देश का कोई प्रमुख नेता बाहरी पूर्वाग्रहों को अंतिम सत्य मानकर उसे दोहराने लगता है। राहुल द्वारा ट्रंप के मृत अर्थव्यवस्था कथन का समर्थनकृ मोदी सरकार की आलोचना नहीं, बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता का उदाहरण है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत–पाकिस्तान युद्धविराम में अमेरिकी मध्यस्थता के ट्रंप के दावे को लेकर उन्होंने प्रधानमंत्री पर नरेंद्र–सरेंडर जैसी टिप्पणी कर दी, जबकि भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से साफ इनकार कर चुका था, जिसकी पाकिस्तान भी गवाही देता है। निसंदेह, सशक्त विपक्ष के बिना लोकतंत्र अधूरा है। लेकिन अपने ही देश के खिलाफ बाहरी आरोपों को प्रामाणिक मानकर पेश करना खतरनाक प्रवृत्ति है। भारत इसी परतंत्र मानसिकता के कारण शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहा था। बात राहुल के वक्तव्यों तक भी सीमित नहीं है। वे संसद जैसी गंभीर संस्था को अपने आचरण से कई बार उपहास का विषय बना चुके है। हाल ही में लोकसभा में उन्हें जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा से उद्धरण देनेकृ जो न तो सार्वजनिक है और न ही रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृतकृ से संसदीय नियमों के तहत रोका गया। उन्होंने संसदीय परंपराओं का सम्मान करने के बजाय इसे संसदीय कार्यवाही में व्यवधान डालने का मुद्दा बना लिया। बार–बार के स्थगन, लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव और योजनाबद्ध टकराव को लोकतांत्रिक प्रतिरोध का नाम दिया गया। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह भी खुलासा किया कि संसद में चर्चा के समय प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई अप्रिय हरकत करने की कोशिश की जा रही थी। राहुल की यह श्अराजकय् शैली नई नहीं है। 2018 में लोकसभा में प्रधानमंत्री को जबरन गले लगाने के बाद अपने सहयोगियों को आंख मारने की घटना आज भी जेहन में ताजा है। नाटकीयता गंभीर राजनीति का पर्याय नहीं हो सकती, वह संस्थागत गरिमा को आहत करती है। संसद परिसर में केंद्रीय मंत्री का जबरन हाथ पकड़कर संयुक्त प्रेस वार्ता का प्रयास भी इसी मानसिकता का विस्तार था। जाने–अनजाने में राहुल देशविरोधियों के हाथों में भी खेलने लगते है। सितंबर 2024 की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्होंने दावा किया कि भारत में सिख समुदाय की पहचान खतरे में है। इस बयान को खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नून ने अपने एजेंडे के समर्थन में तुरंत लपक लिया। इससे पहले वर्ष 2023 में राहुल द्वारा ब्रिटेन यात्रा के दौरान दिए गए वक्तव्यों का आशय था कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो चुका है और उसे बचाने के लिए श्पश्चिमी हस्तक्षेपय् अपेक्षित है। अक्सर, विदेशों में दिए गए ऐसे वक्तव्य घरेलू राजनीति तक सीमित नहीं रहते और वे भविष्य में देश के शत्रुओं के प्रचार–तंत्र का हथियार बन जाते है। राहुल इस तरह का व्यवहार क्यों करते है? क्या इसलिए कि वे श्विशेषाधिकार की भावनाय् से ग्रस्त है?

बांग्लादेश हो या श्रीलंका या नेपाल– सवाल वही

सत्येन्द्र रंजन

बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। क्या बिना ऐसी संगठित पार्टी की मौजूदगी के– जिसके पास स्पष्ट विचारधारा और सुपरिभाषित संगठन हो– कोई ऐसा परिवर्तन हो सकता है, जिससे मूलभूत ढांचा बदले और आम जन के जीवन स्तर में सुधार का मार्ग प्रशस्त हो? बांग्लादेश में अगस्त 2024 जन व्रिदोह हुआ। अगुआई छात्रों ने की, जिनके पीछे आवाम का बहुत बड़ा हिस्सा लामबंद हुआ। उन सबकी शिकायत थी कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद तानाशाह बन गई हैं, उन्होंने लगातार तीन आम चुनाव चुरा लिए, उनके शासनकाल में सिर्फ उनसे जुड़े लोगों का भला हो रहा है, सवाल पूछने वालों को सताया जाता है, इत्यादि। इन सबसे लोगों में असंतोष भरता गया और जब उसका विस्फोट हुआ, तो शेख हसीना को देश छोड़ कर भागना पड़ा। उनकी पार्टी– अवामी लीग के जो लोग देश में रह गए, उन्हें लोगों का गुस्सा झेलना पड़ा। पांच अगस्त 2024 को शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बनी अंतरिम सरकार ने अवामी लीग को प्रतिबंधित अवस्था में डाल दिया। 12 मई 2026 को हुए आम चुनाव में ये पार्टी भाग नहीं ले सकी। उपरोक्त घटनाओं से शेख हसीना, उनके परिवार और उनकी पार्टी से नाराज लोगों को तसल्ली मिली होगी। लेकिन अब जबकि नए चुनाव के नतीजे सामने हैं, तो विवेकशील लोग यह सोचने को मजबूर होंगे कि इतनी बड़ी उथल–पुथल से आखिर हासिल क्या हुआ? दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में लौटी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) में आखिर नयापन क्या है? पार्टी की स्थापना सैन्य तख्ता पलट के जरिए सत्ता में आए जनरल जियाउल रहमान ने की थी। उनकी हत्या के बाद उनकी पत्नी बेगम खालिदा जिया ने पार्टी की कमान संभाली और दो बार प्रधानमंत्री रहीं। अब उन दोनों के बेटे तारीक रहमान उस पद पर पहुंचे हैं। तो एक राजनीतिक परिवार को भगाने का परिणाम दूसरे राजनीतिक परिवार की सत्ता में वापसी के रूप में सामने आया है। अतीत में दोनों की पार्टियां महज उन परिवारों की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा को साधने का जरिया बनी रही हैं, जैसाकि दक्षिण एशिया के दूसरे देशों में भी होता रहा है। ये पार्टियां आर्थिक–सामाजिक निहित स्वार्थों की नुमाइंदगी करती हैं और असल में वे ही उनकी ताकत का आधार हैं। वे ताकतें अपनी राजनीतिक वफादारी वक्त के साथ बदलती रहती हैं। शेख हसीना अगर सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया को बाधित नहीं करतीं, तो संभव है कि 2014, 2019 या 2024 के किसी आम चुनाव में सत्ता बदल के आम चलन के तहत ही बीएनपी की सरकार बन गई होती। जन विद्रोह हुआ, तो इसलिए कि शेख हसीना ने अनुचित तरीके अपना कर चुनाव के जरे सत्ता हस्तांतरण संभव नहीं होने दिया। तो क्या यह समझा जाए कि जिस जन विद्रोह में लगभग 1400 लोगों की जान गई, उसका मकसद सिर्फ बीएनपी को सत्ता में वापस लाना था? उसी बीएनपी को, जिसके पास देश को नई दिशा देने या लोगों के जीवन स्तर में सुधार करने की कोई ठोस योजना नहीं रही है। असल में अपने अनुदार नजरिए और महजबी कट्टरपंथ से अपने रिश्तों के कारण अतीत में वह अवामी लीग की तुलना में कामकाजी जनता के हितों के अधिक खिलाफ नजर आई है। अब हकीकत यह है कि बांग्लादेश की सियासत कंजरवेटिव बीएनपी और धार्मिक कट्टरपंथी जमात–ए–इस्लामी के बीच बंट गई है। बहस के मुद्दे बांग्लादेश के पुराने संविधान को कायम रखने या शरिया कानून से प्रभावित अधिक इस्लामी ढंग से शासन चलाने के बीच सिमट गए हैं। क्या ऐसे ही बदलाव की आकांक्षा लिए बांग्लादेश के छात्र शेख हसीना के खिलाफ लामबंद हुए थे? ये बड़े, लेकिन बेहद आम किस्म के सवाल हैं। ये प्रश्न हर उस देश में वैसी घटना के बाद उठते हैं, जब कोई तानाशाह या आम सरकार जन–आक्रोश की भेंट चढ़ जाती है– जैसाकि पिछले सितंबर में नेपाल में और 2022 के मध्य में श्रीलंका में हुआ था। अब बांग्लादेश में विद्रोह का जो परिणाम हुआ है, उससे अलग सूरत नेपाल में नहीं होगी, जहां अगले पांच मार्च को आम चुनाव होना है। नेपाल में पिछले सितंबर में कथित जेन–जी प्रतिरोध ने इतना भीषण रूप ग्रहण किया कि तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार को इस्तीफा देना पड़ा। वहां भीड़ ने अनेक राजनेताओं की सरेआम पिटाई की और सत्ता के केंद्र एवं प्रतीक भवनों को जला दिया गया। हालांकि प्रतिरोध सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर रोक लगाए जाने के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन जल्द ही उसने जारी राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ पूर्ण विद्रोह का रूप ग्रहण कर लिया। बताया गया कि नौजवान अपने लिए फैलती अवसरहीनता के बीच राजनेताओं और उनके बाल–बच्चों की आलीशान जिंदगी से नाराज थे, जिसका खुला इजहार उन्होंने सड़कों पर उतर कर किया। श्रीलंका और बांग्लादेश में हुए ऐसे ही विद्रोह से नेपाल का घटनाक्रम इस मामले में ही अलग था कि वहां के सत्ताधारी राजनेता को देश छोड़ कर नहीं भागे। कुछ समय के लिए वे पृष्ठभूमि में चले गए। इस दौरान एक नया प्रयोग यह हुआ कि जेनेरेशन–जेड के उभरे चेहरों ने सोशल मीडिया ऐप डिस्कॉर्ड के जरिए नई सरकार के मुखिया का चयन किया। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। उसी कार्की सरकार की देखरेख में वहां चुनाव कराए जा रहे हैं।

लेकिन चुनाव मुकाबले में फिर से वही चेहरे लौट आए हैं, जिन्हें हटाने के लिए जेन–जी और अन्य पीढ़ियों के लोगों ने उथल–पुथल मचाई थी। जो नया चेहरा सामने है, वह भी जेन–जी आंदोलन से नहीं उभरा। बल्कि उसके पहले सोशल मीडिया के जरिए बनी लोकप्रियता के आधार पर काठमांडू का मेयर बन चुका था। ये बालेन शाह हैं, जिन्होंने अपना करियर रैप म्यूजिक से निर्मित किया। रैपर के रूप में उन्होंने पारंपरिक राजनेताओं और राजनीति का मखौल उड़ाया। इससे इतनी लोकप्रियता मिली कि नेपाल की राजधानी के लोगों ने उन्हें मेयर चुन लिया। मगर किसी को यह नहीं मालूम कि बालेन शाह के पास देश के विकास एवं जन कल्याण का क्या कार्यक्रम है? उनकी विचारधारा क्या है या देश के बारे में उनकी परिकल्पना क्या है? इसके बावजूद पिछले आम चुनाव में अचानक उभरी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। इस पार्टी की कथा भी अजीब है। इसकी स्थापना 2022 में हुई। इसके संस्थापक रवि लामिछाने हैं, जो पहले एक लोकप्रिय पत्रकार और टीवी होस्ट थे। पार्टी की विचारधारा के बारे में ज्यादा कुछ मालूम नहीं है, लेकिन 2022 के आम चुनाव में उसका भ्रष्टाचार विरोधी एजेंडा लोकप्रिय हुआ, जिसे युवाओं का भारी समर्थन मिला। उस चुनाव में 21 सीटें जीत कर आरएसपी ने चौथी सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा पाया। गठबंधन की राजनीति में सत्ता का सुख भोगने के लिए इतनी सीटें काफी होती हैं, तो लामिछाने चुनाव के बाद बनी सरकार में गृह मंत्री बन गए। लेकिन उन पर सहकारी घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा। यह मामला नेपाल में सहकारी संस्थाओं में जुड़ी वित्तीय हेरफेर और धोखाधड़ी से संबंधित था।

पुलिस लाइन व अन्य थाना परिसर मे अधिकारियों ने पुलिस कर्मियों संग खेली जमकर होली

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जिले में छिटपुट घटनाओ को छोडकर होली को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करने के बाद पुलिस कर्मियों ने दूसरे दिन गुरुवार को जमकर होली खेली।इस मौके पर पुलिस लाइन मैदान में पुलिस विभाग के अधिकारियों तथा पुलिस कर्मियों के बीच किसी तरह का भेदभाव नहीं दिखाई दे रहा था।इस दौरान पुलिसकर्मी और पुलिस अधिकारी एक दूसरे पर रंग डालते व अबीर गुलाल लगाते हुए दिखाई दिए और फगुआ सहित अन्य होली के गानों पर थिरकते हुए दिखाई दे रहे थे।इस मौके पर रेंज के डीआईजी सोमेन वर्मा,एसएसपी डाक्टर गौरव ग्रोवर,एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,एसपी सुरक्षा,सीओ सिटी श्रीयेश त्रिपाठी ,सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी, सीओ सदर अरविन्द सोनकर, सीओ लाइन, प्रतिसार निरीक्षक व अन्य पुलिसकर्मी होली मनाते हुए नजर आए और एक दूसरे को बधाई भी दिया।इसी तरह महिला थाना परिसर में महिला पुलिस कर्मियों ने भी जमकर होली खेली और एक दूसरे को बधाई दिया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के अलावा महिला उप निरीक्षक सोनी,महिला उप निरीक्षक चेतना, महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौड़, महिला उप निरीक्षक प्रिया सहित महिला थाने में तैनात सभी महिला पुलिस कर्मियों मे जमकर होली खेली और एक दूसरे को होली की बधाई दिया।इसी तरह जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में भी होली खेली गई।

सरयू नदी में नहाते समय दो किशोरों की डूबने से हुई मौत

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। बुधवार को होली की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं।जब अयोध्या के रौनाही थाना क्षेत्र स्थित कलाफरपुर घाट पर सरयू नदी में नहाते समय दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई।वहीं, दो अन्य को ग्रामीणों की सूझबूझ से सुरक्षित बचा लिया गया।घटना के बाद मुबारकगंज गांव में शोक की लहर है।मिली जानकारी के मुताबिक होली के दिन मुबारकगंज गांव निवासी सुमित (15) पुत्र धर्मचंद, राज सैनी (16) पुत्र हरिओम सैनी, ऋषभ सैनी (17) पुत्र रमेश सैनी, अनूप सैनी (15) पुत्र स्वामीनाथ सैनी और विशाल सैनी (16) पुत्र लालजी सैनी होली खेलने के बाद सरयू नदी में स्नान करने गए थे।बताया जा रहा है कि नहाते समय चार किशोर अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग तुरंत नदी में कूद पड़े।जिसमे दो युवको को ग्रामीणों ने बचा लिया वही दो को नहीं बचा सके।ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद अनूप सैनी और विशाल सैनी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि सुमित और राज सैनी गहरे पानी में समा गए। काफी तलाश के बाद दोनों के शव नदी से बरामद किए गए।सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। दोनों किशोरों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रौनाही ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही सीओ सदर अरविंद सोनकर भी अस्पताल पहुँच गये।थाना प्रभारी रौनाही लालचंद सरोज ने बताया कि शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

एटीएस अफसर बनकर एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह को 'डिजिटल अरेस्ट' की धमकी

सुलतानपुर। साइबर ठगों ने इस बार निशाना बनाया है देहात कोतवाली क्षेत्र के उतुरी गांव के निवासी भाजपा के विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र प्रताप सिंह को। खुद को एटीएस क्राइम ब्रांच, मुंबई का अधिकारी बताने वाले शख्स ने फोन पर "डिजिटल अरेस्ट" की धमकी देकर लगभग डेढ़ घंटे तक मानसिक दबाव बनाया। मामले में साइबर क्राइम ब्रांच सुलतानपुर में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

तहरीर के मुताबिक 02 मार्च 2026 को दोपहर 12:22 बजे से 1:39 बजे के बीच अज्ञात नंबरों से लगातार कॉल आए। कॉलर ने खुद को एटीएस अधिकारी बताते हुए गंभीर आरोपों में फंसाने और तत्काल कार्रवाई की चेतावनी दी। "डिजिटल अरेस्ट" का हवाला देकर डराया गया और पूछताछ के नाम पर लंबी बातचीत की गई।

एमएलसी ने इसे सुनियोजित साइबर ठगी का प्रयास बताते हुए कहा कि इस तरह की कॉल आम लोगों को भी आ रही हैं, जिनसे लोग भयभीत होकर ठगी का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। साइबर क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल खंगालने और नंबर ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इमामबाड़े में तोड़फोड़, ताला तोड़कर घुसे अराजक तत्व मौलाना ने दिया तहरीर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित भंडारी रेलवे स्टेशन के पीछे कदम रसूल छोटी लाइन इमामबाड़े में होली के दिन बुधवार देर शाम अराजक तत्वों द्वारा शिया समुदाय के इमामबाड़े में तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। होली के कारण आसपास सन्नाटा होने का फायदा उठाते हुए कुछ अज्ञात लोगों ने इमामबाड़े के पीछे वाले गेट का ताला तोड़ दिया और अंदर प्रवेश कर गए। आरोप है कि अंदर रखे सामान को नुकसान पहुंचाया गया और परिसर में जमकर तोड़फोड़ की गई। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।

पंजतनी कमेटी के अध्यक्ष शाहिद मेंहदी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इसके बाद शहर कोतवाल वीपी सिंह, सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता, सीओ सदर देवेश कुमार और सीओ मड़ियाहूं परमानंद कुशवाहा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। देर रात फोरेंसिक टीम और एसओजी टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए।

घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग इमामबाड़े पर एकत्र हो गए। जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना महफूजुल हसन खान, मौलाना सफदर हुसैन जैदी, मौलाना फैजले मुमताज और मौलाना मेराज हैदर खान सहित कई गणमान्य लोगों ने जिला प्रशासन से मिलकर कड़ी कार्रवाई की मांग की। पंजतनी कमेटी की ओर से कोतवाली थाने में तहरीर दी गई है। एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।वही इस मामले में मौलाना सफदर हुसैन जैदी ने कहा कि अराजक तत्वों ने जनपद के गंगा जमुनी बिगड़ने के उद्देश्य से ये किया है जिला प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया है घटना के जल्द पर्दाफाश का आश्वासन दिया गया है।साथ ही इमामबाड़े के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं और पुलिस पिकेट लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सई नदी में स्नान करते समय युवक डूबा मौत ,परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित जलालपुर थाना क्षेत्र के बीबनमऊ गांव निवासी एक 28 वर्षीय युवक बुधवार शाम को करीब साढ़े चार बजे सई नदी में स्नान करते समय डूब गया।सूचना मिलते ही पुलिस ने स्थानीय गोताखोर लगाकर युवक के खोजबीन में जुटी गई।करीब दो घंटा बाद युवक का शव डूबे हुए स्थान से 200मीटर दूर इजरी गांव की तरफ मिल गया।पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया। थाना क्षेत्र के बीबनमऊ गांव निवासी लगभग अवनीश यादव (28)पुत्र शिवशंकर यादव शाम को अपने तीन अन्य साथियों के साथ हनुमान मंदिर के पास नदी में स्नान करने गया था।एक बार सभी लोग तैरकर नदी के उस पार गए वापस लौटते समय नानक डूब गया।जिसकी सूचना ग्रामीणों को मिली तो भारी संख्या में लोग पहुंचकर युवक के खोजबीन में जुट गए करीब दो घंटा बाद युवक का शव मिल गया।घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।इस मामले में जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक ने बताया युवक की डूबने से मौत हुई है परिजनों द्वारा कोई तहरीर नहीं मिली है।शव का पोस्टमार्टम करवा का रहा है अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

55 वर्षीय व्यक्ति की अज्ञात बदमाशों ने पीट–पीटकर किया हत्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित लाइन बाजार थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। मियापुर प्राइमरी स्कूल के पास बदमाशों ने ललई यादव (55) को बुरी तरह पीटा, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने चीख–पुकार सुनकर ललई यादव को गंभीर हालत में देखा और तुरंत अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। इस मामले में जानकारी लेने पर सहायक पुलिस अधीक्षक गोल्डी गुप्ता ने बताया कि मारपीट के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। घटना के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए जांच जारी है। तहरीर मिलते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है। आसपास सीसीटीवी कैमरे से बदमाशों के पहचान की कोशिश किया जा रहा है।जल्द ही मामले के तह तक पुलिस पहुंच जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय ज्ञान परंपरा भविष्य की समस्याओं का समाधान : प्रो. पाठक

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर अकादमिक कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य प्राचीन भारतीय विद्याओं की आधुनिक संदर्भ में प्रासंगिकता पर चर्चा करना और उनके संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में संवाद स्थापित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. मदन मोहन पाठक ने किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों का समाधान भी अपने भीतर समेटे हुए है। आधुनिक समस्याओं के समाधान के लिए

पारंपरिक ज्ञान को समझना और अपनाना आवश्यक है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रियव्रत मिश्र ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों विज्ञान, दर्शन, गणित और आयुर्वेद पर विस्तार से प्रकाश डाला। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारतीय जीवन दर्शन और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियां अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। इन विधाओं को आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ जोड़ने की आवश्यकता है। ताकि नई पीढ़ी अपनी जड़ों से जुड़ सके। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. सर्व नारायण झा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और संवर्धन को समय की प्रमुख आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथों में निहित ज्ञान को समाज और लोक–कल्याण के लिए व्यापक स्तर पर प्रसारित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में शिक्षक, शोधार्थी और छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। व्याख्यान के बाद आयोजित विचार–विमर्श सत्र में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया।

होली मिलन समारोह में संगठन विस्तार पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। अखिल भारतीय कमलापुरी वैश्य महासभा की ओर से रविवार को ऐशबाग स्थित रामलीला मैदान के तुलसी सभागार में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई। इसमें प्रांतीय होली मिलन समारोह के साथ महानगर इकाई का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। अध्यक्ष नीलेश कमलापुरी ने बताया कि बैठक में संगठन विस्तार पर जोर दिया गया। कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता, महामंत्री सचिन गुप्ता समेत समाज के तमाम लोग मौजूद रहे।

अजमेर से राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। देश की बालिकाओं और महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के अजमेर से राष्ट्रीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया। इसे भारत को सर्वाइकल कैंसर मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल माना जा रहा है।उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मयंकेश्वर शरण सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के उद्घाटन समारोह का वर्चुअल प्रसारण सभागार में दिखाया गया।कार्यक्रम के उपरांत अतिथियों ने टीकाकरण स्थल का अवलोकन किया और 15 बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाकर प्रदेश में अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, विधायक नीरज बोरा, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित कुमार घोष (आईएएस), केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल (आईएएस), अपर मिशन निदेशक धीरेन्द्र सिंह सचान (आईएएस), महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. पवन कुमार अरुण, महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ. एच.डी. अग्रवाल सहित अनेक अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए यह अभियान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वदेशी टीके के विकास और देश की बेटियों के लिए इसे निःशुल्क उपलब्ध कराने हेतु प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विभिन्न विभागों से समन्वित प्रयास कर सभी पात्र बालिकाओं तक टीका पहुंचाने का आह्वान किया और कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में प्रदेश सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है।राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत है और प्रदेश की प्रत्येक पात्र बालिका तक यह जीवनरक्षक टीका पहुंचाया जाएगा। अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि प्रदेश पहले भी टीकाकरण अभियानों के माध्यम से चेचक और पोलियो जैसी बीमारियों के उन्मूलन में सफल रहा है और अब एचपीवी टीकाकरण के माध्यम से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया जा रहा है।केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि भारत सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध व्यापक स्तर पर निःशुल्क टीकाकरण करने वाला अग्रणी देश है। मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने जानकारी दी कि आगामी एक वर्ष में प्रदेश की लगभग 24,39,210 पात्र बालिकाओं को टीका लगाया जाएगा। प्रारंभिक तीन महीनों तक यह टीका जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध रहेगा, जिसके बाद इसे नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।कार्यक्रम के अंत में अपर मिशन निदेशक धीरेन्द्र सिंह सचान ने सभी अतिथियों, मीडिया कर्मियों और लाभार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। यह अभियान प्रदेश में बालिकाओं और महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में पहली बार 'मीन महोत्सव' का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पहली बार 'मीन महोत्सव' का आयोजन 27 एवं 28 फरवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया गया। महोत्सव का उद्घाटन केन्द्रीय राज्य मंत्री पशुपालन एवं मत्स्य तथा प्रदेश सरकार के मत्स्य मंत्री डॉ. संजय निषाद ने किया।पहले दिन विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। दूसरे दिन 50 प्रतिष्ठित कंपनियों ने औद्योगिक प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए। कार्यक्रम का वेबकास्टिंग और यूट्यूब चौनल के माध्यम से प्रदेश के सभी 75 जनपदों में सीधा प्रसारण किया गया, जिससे मत्स्य पालकों और उद्यमियों को व्यापक जानकारी मिल सकी। महोत्सव में फिश फूड कोर्ट और प्रोटीन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।कार्यक्रम में महानिदेशक मत्स्य श्रीमती धनलक्ष्मी के., निदेशक मत्स्य एन.एस. रहमानी, सीनियर एग्जीक्यूटिव एनएफडीबी हैदराबाद डॉ. दीपा सुमन, संयुक्त निदेशक मत्स्य अनिल कुमार, एक्वाएक्स के अध्यक्ष वीनू दन्तूलूरी, प्रबंध निदेशक डॉ. समीर पात्रा सहित देश–प्रदेश के वैज्ञानिक, उद्यमी और लगभग 1000 मत्स्य पालक उपस्थित रहे।तकनीकी सत्रों में कोरल लाइफ केयर नवी मुंबई के सीईओ अभिजीत नहाते ने मछली एवं झींगा स्वास्थ्य प्रबंधन पर जानकारी दी। एक्वा यूनिवर्स गोरखपुर के वीर गौरव ने भारतीय मेजर कार्प, पंगेशियस और आर्नामेंटल फिश ब्रीडिंग पर प्रकाश डाला। आईसीएआर–सीबा पश्चिम बंगाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संजय गुप्ता ने संतुलित आहार के महत्व को रेखांकित किया। ग्रोवेल फीड के वाइस प्रेसिडेंट अमित टंडन ने फॉर्मुलेटेड फीड के उपयोग पर जोर दिया।सीआईएफई मुंबई के डॉ. के.एन. मोहंता ने सतत मत्स्य पालन (सस्टेनेबल फिशरीज) की आवश्यकता बताई। प्रगतिशील मत्स्य पालक पियूषिखा यादव ने जेनेटिकली इम्प्रूव्ड रोहू, कतला और कॉमन कार्प बीज उत्पादन की जानकारी दी। फिश व्हाइट प्राइवेट लिमिटेड वाराणसी के आकाश सिंह ने प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और ई–कॉमर्स के माध्यम से विपणन पर चर्चा की।कार्यक्रम में सजावटी मत्स्य पालन, मोती पालन, जैव फ्लॉक तकनीक, एक्वा टूरिज्म, फिश डाइवर्सिफिकेशन, गुणवत्ता नियंत्रण और तालाबों की पीएच मॉनिटरिंग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने मत्स्य पालन को किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताया और विविध प्रजातियों व आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया।अंत में संयुक्त निदेशक मत्स्य अनिल कुमार और महानिदेशक मत्स्य धनलक्ष्मी के. ने सभी प्रतिभागियों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और अधिकारियों का सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया। 'मीन महोत्सव' को प्रदेश में मत्स्य पालन क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण और किसानों की आय वृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

'सविष्कार स्टार्टअप संगम 2026' का शुभारंभ, नवाचार से विकसित भारत /2047 के लक्ष्य को मिलेगी गति : ए.के. शर्मा

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी में आयोजित 'सविष्कार स्टार्टअप संगम 2026' का शुभारंभ किया। यह राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन विकसित भारत /2047 की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य नवाचार, उद्यमिता तथा युवाओं के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में देशभर से 400 से अधिक विद्यार्थी, स्टार्टअप संस्थापक, नवप्रवर्तक, शोधकर्ता और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।अपने संबोधन में मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नवाचार को केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि उसे शासन, उद्योग, शिक्षा और सामाजिक विकास से जोड़ा गया है। नीतिगत समर्थन, डिजिटल आधार, वित्तीय प्रोत्साहन और वैश्विक दृष्टिकोण के कारण आज भारत विश्व के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि नवाचार अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पहुंच चुका है।मंत्री ने कहा कि भारत में शोध कार्य बहुआयामी और तेजी से विकसित हो रहे हैं। युवा प्रतिभा, तकनीकी संसाधन और मजबूत नीति समर्थन के समन्वय से देश वैश्विक नवाचार मानचित्र पर अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को विकास की नई गति और दिशा मिली है। विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य विकसित भारत /2047 के राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत आधार प्रदान कर रहा है। राज्य सरकार युवाओं और स्टार्टअप्स के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ लेकर युवा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने युवा उद्यमियों और छात्रों से संवाद करते हुए उन्हें नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इकोसिस्टम तभी सफल होगा जब आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को व्यवहार में उतारा जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी स्थलों का निरीक्षण किया।

लघु खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी का भव्य समापन

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, रेशम, हथकरघा, वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री राकेश सचान के निर्देशन में उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित "लघु खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी" का शनिवार को बोर्ड मुख्यालय परिसर में भव्य समापन हुआ। यह प्रदर्शनी 20 फरवरी से 28 फरवरी 2026 तक आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कारीगरों और उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन और विपणन किया।उत्कृष्ट उद्यमियों को किया गया सम्मानितसमापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव कृषि श्री रविन्द्र कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उद्यमियों को पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। प्रथम पुरस्कार ग्रामोदय संस्थान, सीतापुर को खादी उत्पादों के लिए प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार श्रुति शुक्ला, लखनऊ को तथा तृतीय पुरस्कार द्राक्षा फैशन, लखनऊ को प्रदान किया गया।ख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य स्थानीय कारीगरों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना तथा स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र को सशक्त बनाने, उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और अधिक से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है।खादी और स्वदेशी उत्पादों की रही विशेष मांगप्रदर्शनी में कुल 46 स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें खादी वस्त्र, हर्बल गुलाल, पापड़–बड़ी, नमकीन, शहद, आंवला उत्पाद, चादर, गमछे, तौलिये, कुर्ता–पायजामा, रेशमी साड़ियां तथा हस्तशिल्प आधारित वस्त्रों की विशेष मांग रही।

राम सेना का विस्तार : वसई तालुका अध्यक्ष बने राजेश सोनी

देश की उपासना

ब्यूरो चीफ धनंजय विश्वकर्मा

मुंबई। वसई विरार महानगर पालिका क्षेत्र के वसई पूर्व स्थित सातीवली के गांवदेवी मंदिर में राम सेना संगठन की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सामाजिक

एकजुटता को मजबूत करना तथा संगठन के विस्तार को गति देना रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने संगठन की विचारधारा के प्रति निष्ठा और समाजहित में कार्य करने की शपथ ली। इस अवसर पर राम सेना के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश सिंह राणा, प्रदेश महामंत्री जयराम पटेल तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में वसई तालुका के लिए राजेश सोनी को अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। साथ ही वसई विरार महानगर पालिका क्षेत्र में संगठन के विस्तार हेतु कई नए सदस्यों की नियुक्ति भी की गई। कार्यक्रम में सातीवली क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। बैठक में राम सेना के संस्थापक सुनील सिंह, नवनियुक्त वसई अध्यक्ष राजेश सोनी तथा वसई उपाध्यक्ष सुनील शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संगठन को मजबूत बनाने और क्षेत्र में सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

भक्त प्रहलाद सेवा समिति व यूथ विंग द्वारा होली पर रहा धमाल,होली गीतों पर जमकर थिरके बच्चे

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को रामनगर कॉलोनी स्थित बीच मैदान पर भक्त प्रहलाद सेवा समिति व यूथ विंग द्वारा बच्चो का धमाल कार्यक्रम हुआ।जिसमे

होली व सिंधी गीतो पर सौ से अधिक बच्चो ने डांस व फैशन शो की प्रस्तुति दी कार्यक्रम का शुभांरभ प्रभु झूलेलाल के चित्र पर दीप जलाकर व माल्यार्पण कर हुआ समिति के अध्यक्ष कन्हैया लाल सागर ने अध्यक्षता व संचालन महासचिव ओमप्रकाश ओमी ने किया धमाल कार्यक्रम की मुख्य संयोजक साक्षी वासवानी व विशेष सहयोगी निधि खेटपाल,प्रिया मुर्जवानी व वंशिका गंगवानी रही बच्चो ने रग बरसे,होली आई रे,छोरा गंगा किनारे वाला,बरसाने की होली आई रे,जय जय झूलेलाल,वाह वाह सिंधी आदि गीतो पर बच्चो ने डांस कर धमाल किया बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ जिसमे समिति व यूथ विंग ने समाज के मुखियाओ का शाल ओढाकर स्वागत किया समारोह को सिंधी सेंट्रल पंचायत के मुखिया ओमप्रकाश अंदानी व मुखिया पवन जीवानी और अशोक मदान, गिरधारी चावला,रमेश मोटवानी,मोहन मंध्यान, सुरेश पंजवानी, विश्व प्रकाश रूपन, कुमार माखेजा, अमृत राजपाल, नरेंद्र क्षेत्रपाल, सुखदेव साधवानी, सुमित माखेजा ने संबोधित किया इस मौके पर पचास से अधिक बार रक्त दान करने वाले विकास आहूजा को शाल ओढाकर व स्मृति चिन्ह भेटकर स्वागत किया गया धमाल कार्यक्रम मे प्रस्तुति देने वाले बच्चो व डायरेक्टरो को पुरस्कृत किया गया इस मौके पर राकेश तलरेजा,नारायण दास,विक्रम आहूजा,महेश आहूजा, दिलीप लखमानी,सुरेश तलरेजा,कपिल हासानी,जयराम दास,शंकर केवलरामानी,हरीश सावलानी,कमलेश माखेजा,सागर आहूजा,उमेश संगतानी,गोल्डन खत्री आदि मौजूद रहे।

पटरंगा थाना परिसर में पुलिस कर्मियों ने जमकर खेली होली

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। होली के दूसरे दिन पटरंगा थाने में पुलिस कर्मियों ने आपसी भाईचारे और उत्साह के साथ होली का पर्व मनाया। डीजे की धुन पर पुलिस के जवानों ने जमकर ठुमके लगाए और एक–दूसरे को रंग–गुलाल लगाकर बधाई दी।त्योहार के दौरान पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों ने थोड़ी देर के लिए तनाव से राहत पाई और खुशी के माहौल में होली का आनंद लिया।इस दौरान थाने में मौजूद पुलिस अधिकारियों व जवानों ने एक–दूसरे को गले लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। जश्न के बीच पुलिसकर्मियों ने आपसी सौहार्द और एकता का संदेश भी दिया।

कायस्थ समाज का होली मिलन समारोह स्थगित, शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े रहने का निर्णय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के विभिन्न कायस्थ संगठनों ने संयुक्त रूप से 15 मार्च को प्रस्तावित सामूहिक होली मिलन समारोह को स्थगित करने का निर्णय लिया है। यह फैसला हाल के महीनों में समाज के कई युवाओं, पदाधिकारियों और परिवारों में हुए आकस्मिक निधन के चलते लिया गया है, जिससे पूरे कायस्थ समाज में शोक की लहर व्याप्त है।

यह निर्णय श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर के संयोजक सरस चंद श्रीवास्तव (वरिष्ठ अधिवक्ता), ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के जिला अध्यक्ष डॉ. उमाकांत श्रीवास्तव, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव (एडवोकेट), अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के जिला अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद के जिला अध्यक्ष गिरिजेश श्रीवास्तव, कायस्थ एकता मंच के जिला अध्यक्ष दयाशंकर निगम, श्री चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव, कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय के जिला अध्यक्ष अजय वर्मा 'अज्जू' सहित अन्य संगठनों की सहमति से लिया गया।

संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले कुछ समय से सैकड़ों परिवार शोक से गुजर रहे हैं। बीते एक सप्ताह में भी कई परिवारों में निधन होने से समाज अत्यंत मर्माहत है। यहां तक कि होली के दिन भी एक परिवार में तेरहवीं होने के कारण ऐसे माहौल में उत्सव मनाना उचित नहीं माना गया। सर्वसम्मति से तय किया गया कि सभी पदाधिकारी शोकाकुल परिवारों के घर जाकर उनके दुःख में सहभागी बनेंगे। वक्ताओं ने कहा कि जौनपुर का कायस्थ समाज सदैव सुख–दुःख में साथ खड़ा रहने की परंपरा निभाता आया है। समाज के दिवंगत सदस्यों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

महंत विंदुगद्याचार्य महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य आबूधाबी से अयोध्या सकुशल लौटने पर पूर्व सांसद व संतों ने किया स्वागत

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। गुरुवार को दशरथ महल के महंत विंदुगद्याचार्य महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य आबूधाबी से सकुशल अयोध्या लौट आए हैं।वे करीब एक हफ्ते से से वहां फंसे हुए थे।उनकी कुशलता को लेकर अयोध्या सहित देश भर के संत और पीठ से जुड़े लाखों श्रद्धालु परेशान थे।उनके सकुशल वापस आने पर गुरुवार की सुबह महर्षि एयरपोर्ट पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, रसिक पीठ के आचार्य महंत जनमेयज शरण और महंत हेमंत दास ने फूल माला से स्वागत किया।मालूम हो कि अयोध्या के दशरथ राजमहल बड़ा स्थान के बिंदुगाद्याचार्य देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज 27 फरवरी को अबूधाबी स्थित स्वामी नारायण मंदिर के दर्शन के लिए गए थे। इसी दौरान ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र में हालात तनावपूर्ण हो गए,जिससे जनजीवन भी प्रभावित हुआयुद्ध के चलते हवाई सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गईं, जिसके कारण महाराज की निर्धारित तिथि 2 मार्च को भारत वापसी संभव नहीं हो सकी।अयोध्या में संत समाज और श्रद्धालुओं को उनकी चिंता सताने लगी।उनके सकुशल लौटने की कामना को लेकर अयोध्या में कई स्थानों पर हवन, पूजन और यज्ञ का आयोजन किया गया, ताकि क्षेत्र में शांति और अमन बना रहे तथा महाराज सुरक्षित वापस लौट सकें।बताते चले कि स्थिति सामान्य होने के बाद 4 मार्च को हवाई सेवाएं पुनः शुरू हुईं, जिसके बाद बिंदुगाद्याचार्य देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज भारत के लिए रवाना हुए और सकुशल अयोध्या पहुंच गए। महर्षि एयरपोर्ट पर उनके आगमन की सूचना मिलते ही संतों और भक्तों में उत्साह का माहौल बन गया। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने महाराज का स्वागत करते हुए कहा कि उनके सुरक्षित लौटने से संत समाज और श्रद्धालुओं में खुशी की लहर है। इस अवसर पर रसिक पीठाधीश्वर महान जन्मेजय शरण तथा श्रृंगी ऋषि आश्रम के पीठाधीश्वर महंत हेमंत दास सहित अनेक संत और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जौनपुर के प्रसिद्ध लोकगायक गोरख यादव के छोटे भाई नितेश यादव का मध्यप्रदेश में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक पद पर चयन

देश की उपासना

धनन्जय विश्वकर्मा। जौनपुर। जनपद के प्रसिद्ध लोकगायक गोरख यादव के परिवार में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई, जब उनके छोटे भाई नितेश यादव का चयन मध्यप्रदेश में जूनियर हाईस्कूल में शिक्षक पद पर हो गया। जैसे ही यह शुभ समाचार परिवार और रिश्तेदारों तक पहुंचा, पूरे घर में जश्न का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि नितेश यादव की इस उपलब्धि से परिवार के साथ–साथ पूरे क्षेत्र में भी खुशी की लहर है। परिजनों ने इसे वर्षों

की मेहनत, संघर्ष और समर्पण का परिणाम बताया। इस मौके पर परिवार के सदस्यों ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया। इस अवसर पर लोकगायक गोरख यादव भावुक होते हुए बोले कि हमारे घर में पहली बार इतनी बड़ी सरकारी नौकरी लगी है। बाला जी महाराज के आशीर्वाद से आज हमारे परिवार में यह बड़ी खुशी आई है। यह हमारे पूरे परिवार के लिए गर्व का पल है। उन्होंने आगे कहा कि यह सफलता नितेश की कड़ी मेहनत, लगन और परिवार की दुआओं का परिणाम है। नितेश यादव की इस सफलता की खबर फैलते ही शुभचिंतकों, मित्रों और परिचितों की ओर से फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से बधाइयों का तांता लग गया। कई लोगों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात बताया। परिवार ने इस उपलब्धि का श्रेय भगवान के आशीर्वाद, परिवार के सहयोग और नितेश की अथक मेहनत को दिया। इस खुशी के मौके पर गोरख यादव ने घर पर मिठाई बांटकर सभी का आभार व्यक्त किया और अपने छोटे भाई के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नितेश यादव की यह उपलब्धि निश्चित रूप से युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है कि लगन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

आरटीओ ऋतु सिंह ने बस चालकों और जनता को किया जागरूक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। सुगम व दुर्घटना से बचाव हेतु आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह ने बस चालकों और जनता को सुरक्षित त्यौहार एवं सड़क सुरक्षा के संबंध में परिवहन निगम बस स्टेशन पर और राम पथ पर जनता को जागरूक किया।इस मौके पर आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह ने आज सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।जिससे किसी भी अप्रिय घटना–दुर्घटना से खलल न पड़े। बसों एवं अन्य वाहन के चालक एवं परिचालक किसी भी दशा में नशे की हालत में वाहन न चलायें।चालक एवं परिचालक यात्रियों के साथ संयमित व्यवहार रखें। किसी भी दशा में बदसलूकी एवं दुर्व्यवहार न किया जाए।कहा कि बसों को मानक अनुसार ही संचालित किया जाय।यात्री वाहनों में यात्रा करते समय खिड़की से हाथ व सर बाहर न निकालै एवं सह यात्रियों विशेष कर महिलाओं के साथ अच्छा व्यवहार करें।परमिट शर्तों के उल्लंघन न किया जाए और न ही वाहनों में ओवरलोडिंग न की जाए। वाहन चलाते समय चालक सीट बेल्ट अवश्य लगाये।वाहनों के प्रपत्र वैध रखे। आरटीओ विभाग के निर्णयों का कड़ाई से पालन करें नियम नहीं तोड़ें। कहा कि ट्रांसपोटर्स अपने वाहन में कोई अल्ट्रेशन परिवर्तन न करे जैसे सीट या स्लीपर बढ़ाना, लोहे के एंगल इत्यादि न लगाये एवं सिर्फ फिटनेस के समय ही नहीं वरन वर्ष भर वाहन फिट रखे।माल वाहन में यात्री न बैठायें।प्रदेश भर में नो हेल्मेट नो फ्यूल की व्यवस्था सभी जिलों में लागू की गयी है।जिसका सभी संबंधित अनिवार्य रूप से पालन करें।वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें।दो पहिया वाहन पर ट्रिपलिंग न करें, व स्टंट न करें। दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें।हेडफोन का प्रयोग न करें।प्रेशर हार्न का प्रयोग न करें।अत्यधिक तेज गति से वाहन न चलायें।त्यौहारों के उमंग में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों को नजर अंदाज न करें।पानी व रंगों का गुब्बारा वाहन चालकों के

ऊपर न फेंके। इससे दुर्घटना होने की संभावना रहती है।वाहन में संगीत या तेज ध्वनि न चलायें।ई–रिक्शा व टेम्पों चालक वैध लाइसेंस होल्डर से ही चलवायें। अव्यस्क चालक से वाहन न चलवायें।इसके अतिरिक्त वाहन डीलर्स को मार्च में वितीय वर्ष के अंत नजदीक होने के दृष्टिगत सभी विक्रेय वाहनों के पेपर शपथ पत्र आदि सहित प्रक्रिया तत्काल पूर्ण करने लम्बित आवेदनों का निस्तारण कराने और सड़क सुरक्षा संबंधी होर्डिंग बैनर शोरूम पर लगवाने, आडियो–विजुअल माध्यम से नियमो का प्रचार करने, सही पते पर ही वाहन पंजीकृत कराने के निर्देश दिये गये।इस दौरान निगम के एआरएम रोडवेज आदित्य प्रकाश,एसएम नीरज सोनकर और राम पथ पर ए आर टी ओ श्री गुलाब चंद और पी टी ओ मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में रंगोत्सव की धूम डीएम–एसपी ने गाया 'होली खेले रघुबीरा', जवानों संग जमकर खेली होली

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में होली के दूसरे दिन गुरुवार को पुलिस लाइन मैदान में उत्साह, उल्लास और भाईचारे के साथ पुलिस के जवानों ने जमकर होली खेली।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों और जवानों ने पूरे जोश के साथ रंगोत्सव मनाया। परेड ग्राउंड में अधिकारियों का स्वागत फूलों की वर्षा और बैंड–बाजे की मधुर धुनों के साथ किया गया, जिससे पूरा परिसर उत्सवमय हो उठा। कार्यक्रम को खास बनाने के लिए जवानों हेतु पानी से भरा विशेष कुंड तैयार कराया गया था, जहां सभी ने मिलकर रंग खेला। अबीर–गुलाल उड़ाते हुए पुलिस कर्मियों ने एक–दूसरे को गले लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान गायक राहुल पाठक द्वारा कई सुंदर होली के गीत गाये जिसपर सभी पुलिस कर्मी थिरकते हुए जमकर होली खेली।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ.

दिनेश चंद्र भी मौजूद रहे। उन्होंने मंच संभालते हुए 'होली खेले रघुबीरा अवध में' गीत प्रस्तुत किया। उनके साथ एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने भी सुर मिलाया। दोनों अधिकारियों की प्रस्तुति पर उपस्थित जवानों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। गीतों की धुन पर ट्रेनी आईपीएस सृष्टि जैन सहित अन्य अधिकारियों और जवानों ने भी जमकर डांस किया। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने पुलिस के जवानों को होली की हार्दिक बधाई देते हुए कहा पूरे आयोजन का उद्देश्य पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ाना और आपसी सौहार्द को सुदृढ़ करना रहा। रंग, संगीत और हंसी–खुशी के बीच यह आयोजन पुलिस परिवार के भीतर एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता नजर आया।

होटल उत्सव मोटल में भीषण आग चार मंजिला इमारत के निचले हिस्से में लगी कोई हताहत नहीं

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में लाइन बाजार थाना अंतर्गत वाजिदपुर तिराहे पर स्थित एक चार मंजिला होटल उत्सव मोटल के निचले हिस्से में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। सुबह करीब आठ बजे लगी इस आग के कारण धुएं का गुबार दूर तक फैल गया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी भीषण थी कि इसकी लपटें और धुआं बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर चल रहे जिम तक पहुंच गया।होटल मालिक आशुतोष सिंह ने आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन बड़ी गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया। होटल के अंदर कार्यरत कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। तीसरी मंजिल पर जिम कर

रही कुछ महिलाओं को भी रेस्क्यू टीम द्वारा सुरक्षित बाहर निकाला गया। आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास की इमारतों के मालिकों ने एहतियात के तौर पर अपने प्रतिष्ठानों की बिजली आपूर्ति तुरंत बंद कर दी। प्रत्यक्षयदर्शी पुलिस विभाग में आरक्षी गायत्री प्रसाद यादव ने बताया कि सुबह आठ बजे के लगभग मैं टहल रहा था होटल से घुए को निकलता देख मैं वहां भागकर गया तो देखा जबरदस्त आग लगी थी और ऊपर के मंजिल से कांच के टुकड़े पिघलकर नीचे गिर रहे थे जिससे गोदाम में रखे भरे हुए सिलेंडर और अन्य सामान को निकालने में मुश्किल हो रही थी।फिलहाल भरे सिलेंडरों को पहले वहां से दूर हटाया गया जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया, तथा जिम कर रही महिलाओं को तीसरे मंजिल से तुरंत हटाया गया।भगवान का शुक्र है कि कोई जनहानि नही हुई है। सीएफओ आर पी राय ने बताया कि सुबह आठ बजे आग की सूचना मिली थी,तुरंत ही फायर टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है,धुंए का गुबार होटल के निचले मंजिल के अंदर घुस गया था और जिम वाली इमारत में धुंआ पहुँच गया था लेकिन सभी लोग सुरक्षित है कोई जनहानि नही हुई। आग का शार्ट सर्किट हो सकता है।

दो बाइकों की आमने–सामने हुई भिड़ंत मे घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

(डाक्टर राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। थाना रूदौली क्षेत्र के शुजागंज बाजार में अंसारी मेडिकल के सामने होली के दिन बुधवार सुबह करीब 10 बजे तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उस हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दुर्घटना में बलकराम पुत्र सुन्दर लाल, निवासी ग्राम पंचायत ऐथर, गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सीएचसी रूदौली में भर्ती कराया गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी स्थिति नाजुक होने पर उन्हें लखनऊ रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान बलकराम की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे में शामिल दूसरा युवक भैटौरा गांव का निवासी है, जो इस दुर्घटना में घायल हुआ है।वहीं शुजागंज चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया कि होली पर्व के चलते दोनों युवक किसी कार्य से आए थे।इसी दौरान दो बाइकों की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में घायल बलकराम की इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुधवार को एक युवती ने गोमती नदी में लगा दी थी छलांग 24 घन्टा बीत जाने के बात भी नही लगा सुराग

सुलतानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र में होली के दिन एक युवती ने गोमती नदी में छलांग लगा दी। घटना के करीब 24 घंटे बाद भी युवती का कोई सुराग नहीं लग सका है।पुलिस व एसडीआरएफ की टीम नदी में सर्च अभियान चला रही है। जानकारी के अनुसार हलियापुर के गोहानिया गांव निवासी मनीषा (20) पुत्री रमई निषाद ने बुधवार दोपहर

आमघाट पुल से गोमती नदी में छलांग लगा दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई,लेकिन सफलता नहीं मिली। बताया जा रहा है कि होली के दिन एक युवक द्वारा रंग लगाए जाने पर मां ने युवती को डांट दिया था।इससे आहत होकर उसने यह कदम उठा लिया। थानाध्यक्ष वंदना अग्रहरी ने बताया कि युवती की तलाश के लिए सर्च अभियान जारी है।

रेतिया शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पालिक्लीनिक के रुप मे चिन्हित

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अयोध्या ने बताया कि अयोध्या के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–रेतिया को जन–सामान्य को बेहतर एवं विशेषज्ञ सेवायें उपलब्ध कराने हेतु पॉलिक्लीनिक के रूप में उच्चीकृत किया जाना हैं। इसके लिए विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ,जनरल फिजिसियन,बाल रोग विशेषज्ञ,त्वचा रोग विशेषज्ञ,हड्डी रोग विशेषज्ञ,नेत्र रोग विशेषज्ञ,नाक, कान गला रोग विशेष 8. मानसिक रोग विशेषज्ञ) को रोस्टर के आधार पर ईम्पैनल किया जाना है।जिससे नागरिकों को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण परामर्श एवं उपचार सेवायें उपलब्ध करायी जा सके। इच्छुक विशेषज्ञ चिकित्सक जो इस पहल में सहभागिता करना चाहते हों, वे किसी भी कार्य दिवस को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क कर अपना सहमति पत्र प्रस्तुत कर सकते है अथवा इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते है अथवा शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यालय के ई–मेल आई०डी० urbanhealthfaizabad@gmail.com पर भी अपना सहमति पत्र प्रेषित कर सकते है। पॉलिक्लीनिक में विशेषज्ञ चिकित्कों द्वारा सेवा प्रदान करने पर प्रति दिवस रुपए 5000.00 सम्बन्धित के खातें में हस्तान्तरित किया जायेगा।

अंबेडकर प्रतिमा पर कालिख पोती गई, बसपा कार्यकर्ता उग्र नई मूर्ति लगाने की माँग

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में गुरुवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जन बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने का मामला लोगो को जानकारी मिली। घटना लाइन बाजार थाना क्षेत्र के अंबेडकर तिराहे स्थित अंबेडकर पार्क में हुई। इस घटना के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखा गया।

घटना की सूचना मिलते ही हजारों की संख्या में बसपा कार्यकर्ता मौके पर जमा हो गए। उन्होंने जमकर नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने इसे जौनपुर शहर की शांति भंग करने की कोशिश बताया।सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने मामले का संज्ञान लिया और तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

वही इस मामले में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि बाबा साहब हम सभी लोगों के आदर्श हैं।इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है जो भी दोषी होगे उनके खिलाफ शक्त कार्यवाही किया जाएगा।

मौके पर पहुंचे बसपा के वरिष्ट नेता डॉ लाल बहादुर सिद्धार्थ ने कहा कि ये शहर का माहौल बिगाड़ने का काम किया गया है आज सुबह हम लोगों को हमारे देवता बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर जी के मूर्ति पर कालिख लगाने की सूचना मिली हैं जिलाधिकारी और प्रशासन से माग करते की तुरंत नई मूर्ति लगाए यहाँ लगे सीसीटीवी कैमरे सही कराए पुलिस चौकी स्थापित करे। कल हम लोगों को जिलाधिकारी ने बुलाया है अगर बात नहीं बनती है तो हम आंदोलन करेंगे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।